सक्सेस मिरर

सफलता का कैप्सूल

Visit us at : www.pdgroup.in

वर्ष : 14 | अंक : 163 | नवम्बर : 2023

इस अंक में...

5 सम्पादकीय

7 समसामयिकी घटना संग्रह

9 समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

18 आर्थिक घटना संग्रह

- सिंगापुर ने विश्व की मुक्त अर्थव्यवस्था में हांगकांग को पछाड़ा
- प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का शुभारम्भ

22 राष्ट्रीय घटना संग्रह

- पुरानी संसद को 'संविधान सदन' के नाम से जाना जाएगा
- स्वच्छ वायु सर्वेक्षण 2023 में इंदौर शीर्ष स्थान पर

26 अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- नई दिल्ली में 18वाँ जी-20 शिखर सम्मेलन सम्पन्न
- जी-77+ चीन शिखर सम्मेलन सम्पन्न हुआ

29 खेल खिलाड़ी

- चीन के हांगझोउ में 19वें एशियाई खेलों का रंगारंग आगाज
- भारत ने रचा इतिहास, आईसीसी के तीनों फॉर्मेट में नम्बर वन बना

33 विज्ञान समाचार

35 समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न

38 महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

लेख

40 **सामयिक लेख**—(i) स्वच्छ प्रौद्योगिकी : महत्व और चुनौतियाँ

42 (ii) हर घर तिरंगा अभियान और ध्वज संहिता का मान

43 **अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध लेख**—ब्रिक्स के विस्तार से क्या होगा बदलाव?

45 **राष्ट्रभाषा लेख**—वैश्विक स्तर पर लोकप्रियता का आसमान छूती हिन्दी

46 **पारिस्थितिकी संरक्षण लेख**—भारत में गिद्धों का विलुप्ति के कगार पर खड़ा होना

48 **अन्तरिक्ष विज्ञान लेख**—चन्द्रमा पर चन्द्रयान-3 की सफल लैंडिंग

49 **पर्यावरण लेख**—प्रकृति से खिलवाड़ के कारण कुपित होती प्रकृति

50 **प्रौद्योगिकी लेख**—www है इंटरनेट की दुनिया की चाबी

51 **कॅरियर लेख**—फोटोग्राफी का महत्व : रोजगार के अवसर

विविध/सामान्य

75 **वर्षांत समीक्षा 2022—पंचायती राज मंत्रालय**

77 **प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता**

79 **तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-160 का परिणाम**

82 **रोजगार अवसर**

हल प्रश्न-पत्र

52 एस.एस.सी. केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल कॉंस्टेबिल (जनरल ड्यूटी) भर्ती परीक्षा, 2022

मॉडल हल प्रश्न

60 आगामी उत्तर प्रदेश प्रारम्भिक अर्हता परीक्षा (PET), 2023 हेतु विशेष हल प्रश्न

68 आगामी दिल्ली पुलिस कॉंस्टेबिल भर्ती परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

संस्थापक सम्पादक : स्व. श्री महेन्द्र जैन | सम्पादक : राहुल जैन | रजिस्टर्ड ऑफिस : 2/11ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–2

ई-मेल : सम्पादकीय : publisher@pdgroup.in कस्टमर केयर : care@pdgroup.in

सम्पादकीय ऑफिस :	1, स्टेट बैंक कॉलोनी, खन्दारी, आगरा-मथुरा बाईपास, **आगरा**–282 005	**फोन**–2531101, 2530966
दिल्ली ऑफिस	: 4845, अंसारी रोड, दरियागंज, **नई दिल्ली**–110 002	**फोन**–011-23251844, 43259035
पटना ऑफिस	: पारस भवन (प्रथम तल), खजांची रोड, **पटना**–800 004	**मो**–09334137572
हैदराबाद ऑफिस	: 16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा, आर.टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड, (यूनियन बैंक के बगल में), **हैदराबाद**–500 036 (तेलंगाना)	**मो**–09391487283
हल्द्वानी ऑफिस	: 8-310/1, ए. के. हाउस, हीरानगर, **हल्द्वानी**, जिला–नैनीताल–263 139 (उत्तराखण्ड)	**मो**–07060421008

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे–इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी **'सक्सेस मिरर'** की नहीं है.

सम्पादकीय

जीने की कला सूर्य से सीखिए

सूर्य समस्त प्रकाश का स्रोत है साथ ही अत्यन्त विस्तृत और विशाल है. वह प्राणदायक और मूर्तिमंत जीवन है. सूर्य दिन भर तपने के पश्चात् रात्रि को विश्राम करता है तथा प्रातःकाल अरुण रूप होकर उदय होता है. उसका दर्शन आशा, स्फूर्ति एवं आनन्द का हेतु होता है. हम भी सूर्य की भाँति नित्य नवीन उत्साह एवं स्फूर्ति लेकर उदय हो सकते हैं, दिन भर कार्य करते हुए हमारी कोशिकाओं का क्षय होता है तथा रात्रि में विश्राम काल में कोशिकाओं का पुनः निर्माण हो जाता है. इस प्रकार प्रकृति हमें नित्य नया रूप प्रदान करती है. जीवन और अमरता का रहस्य यही है, परन्तु हम इस तथ्य के प्रति जागरूक नहीं होते. डॉ. राधाकृष्णन ने कहा है ''आदि से अन्त तक हमारा जीवन एक प्रकार की मृत्यु है जिसका अर्थ है–नित्य नए जीवन की प्राप्ति''. दार्शनिक प्लेटो का कहना है कि ''यह महत्वपूर्ण नहीं है कि हम कितने दिन जीवित रहते हैं, महत्वपूर्ण यह है कि हम किस प्रकार जीवित रहते हैं.'' हम जीवन में नया प्रकाश तभी प्रदान कर सकते हैं, जब सूर्य की भाँति चिर नवीन स्फूर्ति के साथ निरन्तर तपते हुए कार्यरत् बने रहें. जीवन का उद्देश्य सत्य की साधना है और प्रकाश सत्य का प्रतीक है.

गुरुदेव रबीन्द्रनाथ टैगोर ने लिखा है कि प्रातः उगते हुए सूर्य ने चारों ओर अपना प्रकाश-पुंज विकीर्ण कर दिया. ऐसा करते हुए उसने किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया. उस दृश्य ने मेरे हृदय में एक विचित्र प्रकार की पीड़ा उत्पन्न कर दी और मैं समानता की भावना द्वारा अभिभूत हो उठा. समानता की भावना ने मुझे विश्व-मानव की कल्पना प्रदान कर दी और मैं विश्व-वेदना का गायक बन गया.

कवीन्द्र के कथन का अभिप्रायः स्पष्ट है कि जब बाहर का प्रकाश भीतर का प्रकाश बन जाता है, तब रबीन्द्रनाथ सदृश विश्व कवि एवं अमर गायक का निर्माण होता है. आन्तरिक प्रकाश के अभाव में बाह्य प्रकाश व्यर्थ रहता है. मन की आँखें न खुलें, तो मस्तक की आँखें मात्र मोर पंख की आँखें बनी रहती हैं. गोपियों ने ज्ञानी उद्धव से यही कहा था कि ''ऊधो! श्रीकृष्ण-दर्शन के लिए अखियाँ चहैं, न मोर अखियाँ चहैं.''

एक राजा के तीन पुत्र थे. उसने प्रत्येक को एक निश्चित धनराशि देकर कहा–''इस धन से जो भी ऐसी वस्तु लाएगा, जो पूरे घर में समा जाए, उसको मैं अपना उत्तराधिकारी बना दूँगा.'' राजा की आज्ञा सुनकर और मन में राज्य-प्राप्ति की इच्छा लेकर तीनों पुत्र वहाँ से चले गए. पहला पुत्र एक बड़ा गलीचा ले आया, परन्तु वह छोटा पड़ गया. दूसरा पुत्र एक बहुत बड़ा दर्पण लेकर लौटा, उसमें पूरे घर का प्रतिबिम्ब आ गया, परन्तु वह 10 मिनट बाद ही टूट गया. तीसरा पुत्र जब लौटा, तब उसके हाथ में एक मोमबत्ती थी. मोमबत्ती ने पूरे घर को प्रकाशित कर दिया और वह निरन्तर प्रकाशमान रही. राजा ने इसी पुत्र को उत्तराधिकारी घोषित कर दिया, क्योंकि उसने घर को प्रकाशित करने की संकल्पना की थी. जीवन की सार्थकता यही है कि हम प्रकाश फैलाएं, जिससे अंधकार का नाश हो और रास्ते दिखाई देने लगें. एक पुरानी कहानी के अनुसार–एक अंधा व्यक्ति सदैव अपने हाथ में जलती हुई लालटेन रखता था. इससे दो लाभ होते थे. राहगीर अंधे को देख लेते थे और अंधा व्यक्ति सुरक्षित बना रहता था. साथ ही राहगीरों को अंधेरे में अपना रास्ता देखने में सहायता प्रदान करता था.